You have one
Master, The Christ

प्रभु यीशु मसीह

तुम सब का एकमात्र स्वामी है।

इस पत्रीका के द्वारा हम आपको यह बताना चाहते है कि हम कयु एक अलग लुथरन कलीसिया है।

हम मसीही लोग है।

सचमुच एक मसीह कौन है? बहुत लम्बा समय से लोग मसीही कहलाते आये है। यीशु मसीह के अनुशरण करनेवाले लोक चेलें के नाम से बुलाया जाते थे। प्रभु यीशु ने उन से कहा, "मेरा अनुशरण करो"। वह उन से यह भी कहा "तुम सब का एक ही स्वामी है वह प्रभु यीशु मसीह ही है।" जब कुछ लोग उनको छोड़कर चले गये तो जो उनके साथ थे उसने उनसे कहा "क्या तुम भी मुझे छोड़कर चला जाना चाहते है? उन में से एक ने कहा, "स्वामी! आपको छोड़कर हम कहों जाएगें क्योंकि आपका पास तो अनन्त जीवन है। एक सच्चा और सचमुच मसीह वह है जो प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करता है और उसका अनुकरण करता है। धार्मिकता कारण वह उसका ही शुनता है, परन्तु ओर किसका नहीं। नया नियम में हम देखते है कि मसीही लोग विश्वासीयों के नाम से भी जाने जाते है। इस विश्वास के बारे में हमारे प्रभु यीशु मसीह। भी कई बार कहाँ, जो कोई विश्वास करता और वप्तिस्मा लेता है; उसका उद्धार होगा।" "जो कोई उस पर विश्धास करे वह नाश नहो परन्तु अनन्त जीवन पाएगा।"

उसका सेवकाई के समय उसके बारे में लोगों के विच वाद-विवाद चाल रहा था। आज के जैसे ही। वह (यीशु) उसका येलो से पूछा मसीह के बारे में लोग क्या कहते है? फिर उसने उनसे पूछा कितुम मसीह के बारे में क्या कहते हो? मसीह कौन है? उन्होंने कहा कि आप ही मसीह हैं। जीवित परमेश्वर का पुत्र। एक सच्चा मसीही यह विश्वास करता है कि यीशु परमेश्वरका पुत्र है अर्थात यीशु ही परमेश्वर है। येलो ने उसका काम को देख कर उसके बारे में कहते थे कि वह परमेश्वर पुत्र है। वह खोये हुए को ढुण्ड ने और नाश हुए लोगों का बचाने आया था। उसका पूरा जीवन उसका क्रूश के मृत्यु को ही दर्शाता था। जैसे उसने

निकोदेमुस से कहा था। "मनुष्य का पुत्र निश्चय ही उठाया लिया जाएगा।" (क्रूश में मारा जाएगा)। जो कोई उस पर विश्वास करेगा वह अनन्त जीवन का अधिकारी होगा। यीशु मसीह का जन्म से पहले एक स्वर्गदूत ने युसुफ से कहों कि "शिशु का नाम यीशु रखना क्योंकि वह अपने लोगों को उनकी पापों से बचाएगा। पहले यीशु मसीह के चेलो ने यह विश्वास किया कि यीशु मसीह मृत्यु से जी उठा प्रभु है। जिसको श्वर्ग और पृथ्वी का अधिकार दिया गया है। वह हमेशा उनका साथ रहता है। वह दुनिया का राज्य करेगा; विश्वासीयों का और अविश्वासीयों का न्याय करेगा। मनुष्य यीशु मसीह के द्वारा ही पिता परमेश्वर के पास और स्वर्ग राज्यं एक मनुष्य आ सकता है। इस विषय को विश्वास करनेवाला ही एक मसीही कहलाया जाएगा। यीशु मसीह यह वात भी कहाँ कि एक मनुष्य आपना ही ताकत से उसका अनुकरण नहीं कर सकता। वह उसका चेलों को बुलाया और उसका पिछे होने के लिए उनको सामर्थ दिया ताकि वे उनका अनुकरण करें। वह अपनी चेलों से यही प्रतिज्ञा कि है कि वह पवित्र आत्मा को भेजेगा। पवित्र आत्मा लोगों को यीशु मसीह के बारे में लोगों को शिक्षा देंगा। और लोग प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करेंगे कि वह ही प्रभु है। और लोग यीशु मसीह को अपनी उद्धारक के रूप में ग्रहण भी करेंगे। एक मसीही श्वभाव से अन्य लोगों से भिन्न नहीं है। परमेश्वर का अनुग्रह उसे यीशु मसीह पर विश्वास करने के लिए मदत किया है। पवित्र आत्मा लोगों को सुसमाचार के द्वारा चेला बनाता है। कियोंकि विश्वाश सुनने से और सुनना परमेश्वरका वचन से होता है। सुसमाचार या सुन संदेश यीशु मसीह के बारे में शिक्षा है। पवित्र वप्तिस्मा पवित्र आत्म का दूसरा काम है। जिसके द्वारा एक अविश्वासी प्रभु यीशु मसीह का विश्वासी के रूप में बदल जाता है। वप्तिस्मा में भी परमेश्वर का वचन सामर्थ काम करता है। पवित्र आत्मा विश्वासीओं को प्रचार करने और पप्तिस्मा देने को उपयोग करता है ताकि अधिक लोग विश्वास में आए और यीशु मसीह का अनुकरण करें। हमारे प्रभु यीशु मसीह पृथ्वी को छोड़कर स्वर्ग में उठालिया जाने से पहले अपनी फूँका और अपने चेलों से कहा "पवित्र

आत्मा को गृहण करलो। अपनी चेलों को पापक्षमा कि अधिकार दिया कि वे प्रभु यीशु मसीह के नाम से सारे संसार के लोगों का पापों को क्षमा करे। सब विश्वासेंओं का संघठन या संगति को कलिसीया नाम दिया गया। कलिसीया यीशु मसीह का परिवार है या कुटुम्ब है और विश्वासीयों आपस में और प्रभु यीशु मसीह का भी भाईयों और बहनों है। जब यीशु मसीह पवित्र आत्मा के द्वारा किस एक व्यक्ति को विश्वास में लाता है तो उसे वह परमेश्वर का परिवार का सदस्य भी बनाता है जो कलिसीया के नाम में जाना जाता है। सारे मसीही का संगति, विश्वासीयों और मसीहीलोग, परमेश्वर का घराने या कलिसिया सरल रूप में कहा जाए तो हम मसीही लोग प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करते है, उसका अनुकरण करते अर्थात उसका शिक्षाओं के अनुसार चलते है। हम उसका शिक्षा और पवित्र बाई बल का वचनों पर विश्वास करते है। हम सुसमाचार को सुना और उस पर विश्वास किया; वपतिस्मा लिया और उद्धार पाया। कलिसिया में सदस्य बना और आत्मिक जीवन में और प्रभु में बढ़ते है। हम विश्वास करते है कि बनानेवाला और चलाने वाला प्रभु यीशु मसीह ही है। वह हमें चलाता है और प्रभुओं का प्रभु और राजाओंका राजा के रूप में दुनिया का न्याय करने आनेवाला है। हमें अनन्त स्वर्ग राज्य का वारिश बनाएगा। हम परमेश्वर का संतान है और यीशु मसीह जैसा हम बदलते जाते है। हमारे यह परिवर्त्तन थोड़ा थोड़ा करके होता है। हम अपनी परमेश्वर रसे प्रेम करते है और उसका सेवा में अपनी आप को अर्पण करते हैं।

फिर भी हम अविस्वासीयों से बड़कर नहीं है परन्तु एक विश्वासी और एक अविश्वासी में अन्तर यह कि विश्वासी प्रभु यीशु मसीह के नाम से पाप क्षमा और प्रभु यीशु जैसा बदलने का अनुग्रह पाता है जो अविश्वासी प्राप्त नहीं कर सकता। एक विश्वासी हमेशा आपने स्वामी का राह ताकता रेहता है कि कब उसका प्रभु आएगा और दुनियाँ कि फष्ट और दुख से छुड़ाकर तथा अनन्त जीवन देकर, अनन्त आनन्द श्वर्ग में ले जाएगा। इस आशा और विश्वास में मसीही विश्वासियों उनसे जितना हो सकें सुसमाचार का प्रचार संसार भर में करते है।

क्या एक ही निर्दिष्ट कलिसीया है?

यह तो सही है कि यीशु मसीह का अनुकरण करने वाला या यीशु मसीह का पीछे चलनेवाले लोग सब मिलकर एक ही परिवार का सदस्य है और कलिसिया का सदस्य है। समग्र संसार में एक ही कलिसीया होना चाहिए। सब मसीही विश्वासी मिलझुल कर काम करना चाहिए। एक दूसरे से प्रेम में चलाना चाहिए। सब मिलकर प्रभु यीशु मसीह का सुसमावार का दुनियों का कोने कोने में पहर्चाना चाहिए। परन्तु प्रभु यीशु मसीह की येलो ने सारे दुनिया में सुसमाचार का प्रचार करने के बाद क्या हुआ आईए देखेंगे।

जैसे जैसे कलिसीया का सुसमाचार प्रचार का काम दुनिया मर में फेहेलता गया यह ग्रेक और रोमियों ऊपर ही नहीं परन्तु उनका धर्म का ऊपर भी प्रभाव डालने लगा। बहुत सारे लोग विश्वास में आये और दुनियों भर में मसीह विश्वासीयों का संख्या बड़नेलगा। तब शैतान मौका देख कर गलत शिक्षा का विज बोया। हमारे प्रभु यीशु मसीह ने कहता था कि कलिसीया में किसी भी मनुष्य का अधिकार नहीं चलेगा। कलिसीया उसका है, अपने कलिसीया में वह ही स्वामी और मालिक तथा शिक्षक है। उसने जो बनाया मनुष्य अवश्य उसका विश्वास करें जो उसका कलिसीया शिक्षा देति है हर मनुष्य उसका सुने और पालन करें।

परन्तु धीरे-धीरे शैतान का चाल का प्रभाव कलिसीया का उपरपडने लगा। कलिसीया को चलानेवाले लोग प्रभु यीशु मसीह का शिक्षा से बड़कर अपना ही शिक्षाओं का बड़कर अपना ही शिक्षाओं का गठन करना और चालु करना शुरूकर दिया। सबसे ज्यादा पोप और उसका अनुसाशन का प्रभाव बड़ने लगा। बिसप और कलिसिया के मुख्य लोग कहने लोगे कि वे ही दुनिया में प्रभु यीशु मसीह का प्रदिनिधि है, इसलिए वे नया कानून और कलिसीया के लिए नया अनुसासन बना सकते है और कलिसीया के सब विश्वासीयों अवश्य उन कानूनों का पालन करेंगे। उदाहरण के लिए लोक मदर मेरी से मदत के लिए प्रार्थना

करना है। इस प्रकार शौतान पोप के दारा उसका झूण्ड के द्वारा और अन्य मनुष्य के द्वारा कलिसीयामि आकर काम करनेलगा। इधर हमारे प्रभु यीशु मसीह ने हम से कहा कि हम उसका शिक्षाओं का ही ग्रहण करे और पालन करें। हम उन शिक्षाओं को ग्रहण न करें जो उसने कहा या शिखाया नहीं है या उन शिक्षाओं को जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के शिक्षा का विपरीत है। यद्यपि लोग अनेक वर्ष तक सच्चाई को नहीं पहचाने बिना रहते थे परन्तु जब वे बाइबल का अध्ययन सही रूप से करनेलगे तो उनको पोप का और भी अन्य गलन शिक्षकों का गलत शिक्षाओं को जानने को मिला। वे समझ गए कि पोप और उन गलत शिक्षकों का शिक्षायें वचन का विरुध था।

मार्टिन लूथर उन बाईबल विद्यार्थियों में से एक है जो हमारे प्रभु यीशु मसीह का और उऩका शिष्यों का सही शिक्षाओं का प्रचार किया था। पोप और रोमानकाथोलिक कलिसीया उन सही शिक्षाओं का ग्रहण नहीं किया परन्तु उनका खण्डन किया। इसलिए मसीह के शिक्षा के अनुसार सही शिक्षाओं का विश्वास करने वाले मसीह जो जीवित परमेश्धर रहे उनसे अलग हो गए जो मसीही रिक्षा का विपरीत शिखाया है और मनुष्यों कि शिक्षाओं का उपर मन लगाते है। परमेश्वर का वचन और अनन्त जीवन देने वाला विश्वास दुनिया में बहुमूल्य हे और हम मनुष्यों का शिक्षाओं का स्विकार नहीं कर सकते जो गन्दे पानी के जैसा है और जीवन का शुद्ध और पवित्र जल जैसे जो अनन्त जीवन की सही शिक्षा है उसे मिलाया जाता है। इस कारण से ही हम लुथरन कलिसीया रोमानकाथोलिक कलिसीया से अलग है। वे गलत शिक्षा का प्रचार करते है और सही वचन का प्रचार का और सुसमाचार का विरोध करते है।

क्या बहुत से प्राटेस्टान्ट कलिसीयाएँ है?

यह अन्य दुखदायी कहानियाओं में एक हैकि जब शैतान आदम और हब्वा ही को नहीं उस दिन से आज तक शैतान लोगों को सच्चा धर्म से दूर करने

की कोशिश में लगा है। परमेश्वर ने प्रभु यीशु के द्वारा दिया है। धर्म सुधारकों दिनों में कुछ धर्म शिक्षक बाईबल की रिक्षाओं का ग्रहण किया लेकिन रोमान काथोलिक कि जैसा ही रहे। लोक का ज्ञान और शेच-विचार ही उतना सारे कलिसीयाएँ और संघठनों का कारण है। मनुष्य का ज्ञान और विचार का विकाश विज्ञान और कला के लिए अछा है परन्तु धार्मिक क्षेत्र में ये वहुत खतरनाक साबित हो सकता है। यह ज्ञान मनुष्य का दास बनकर भाषाओं का शिक्षा प्राप्त करने के लिए मदत कर सकता है जिसके द्वारा परमेश्वर का वचन जो अगध ज्ञान की भण्डार है, अध्ययन किया जा सके या ज्ञान मनुष्य का मालिक बन कर परमेश्वर का वचन रूपी सत्य से उसे दूर कर सकता है। कारण मनुष्य पाप में गिर गया है और उसका ज्ञान और रोच-विचार परमेश्वरका सत्य मार्ग का विरोध करता है। अतएव, मनुष्य का ज्ञान और मन का विचार को हमेशा परमेश्वर का वचन की वश में कर रखना है। बहुत धर्म शंसोधकों ने रोमान-काथोलिक का तो विरोध किया परन्तु अपनी ज्ञान को परमेश्वर का वचन से बड़कर समझा। वे लोग परमेश्वर का वचन का अनुवाद अपने अपने ज्ञान और विचार के अनुसार अलग अलग करने लगे। यह ही अधिक कलिसीयाएँ और संघठनों का कारण बन गया। कारण अलग अलग लोग अलग रूप से वचन का बयान करने और अर्थ को समझाने लाग गए। इन कलिसीयाओं में कब एकता आ सकता है? जब तक हर एक कलिसीया परमेश्वर का वचन के अनुसार सम्मत्त न हो तब तक एकता आना असम्भव है। उदाहरण के लिए कुछ कलिसीयाओं को यह समझ में नहीं आता है कि पवित्र प्रभु भोज में हमारे प्रभु यीशु मसीह का दह और लहु का उपलब्ध किस प्रकार रोटी और ताख रस में है। वे एक दल या झूण्ड यह कह कर बनाते है कि रोटी और दाख रस प्रभु यीशु मसीह का देह और लहू का प्रतीक है।

और कुछ लोग यह कहते है कि छोटे बच्चे विखास नहीं कर सकते है; इस लिए शिक्षु बपितस्मा बन्द कर देना चाहिए। इस प्रकार अलग विचार और शिक्षा लोगों को विभाजन में लाता है। आजकल 250 से भी ज्यादा कलिसियाएँ

दनिया में हो चूका है; भविष्य में संख्या तेजि से बढ़ राहा है। मनुष्य की रितिरिवाज आजकल जीवन में बहुत प्रभाव डालता है। जैसे कि कुछ बाते; जैसे धूम्रपान और मधुपान का विरोध मसीहीओं का लक्षण या चिन्ह है।

शैतान का यह चाल है कि वह परमेश्वर का वचन को गलत तरीका से शिखा कर बहुत सी कलिसीयाओं का दुनिया में उप्तत्र करवाये। इस काम के लिए वह बाईबल शिक्षकों को और धर्म संशाधकों तथा पोप और विषयों का महयाजकों और पुरोहितों का उपयोग करते आता है। अब ऐसे भी कुछ कलिसीयाएँ है जो यह दाबा करते है कि मनुष्यों के द्वारा लिखा गया पुस्तकें पवित्र परमेश्वरका वचन कहा नहीं जासकता। वे बाईबल का शिक्षाओं का और यीशु मसीह का कृश का मृत्यु का तथा पूनरुत्थान का विश्वास नहीं करते है। हम पवित्र वचन और परमपराओं का मिलन का गृहण नहीं करते। मनुष्यों के द्वारा प्रथा और रीतिरिवाजों का तथा पवित्र वचन का मिलावट का हम ग्रहण नहीं करते। प्रमारे प्रभु यीशु मसीह ने हमे यह शिखया है कि हम उसका विश्वास योग्य बने रहे और उसका वचन का ही प्रचार करें और भिक्षा दे।

नैतिकता और नम्ब्रता हमारे लिए इस बात की हमारे लिए असम्भव बनाता है कि हम उनका आदर और ग्रहण करें जो पवित्र बाइबल और हमारे प्रभु यीशु मसीह का विरोध में है। हमारे लिए परमेश्वर का वचन का मूल्य किसी भौतिक चिजों से तुलना नहीं किया जा सकता परमेश्वर का वचन हमारे लिए बहु-मूल्य है। हम किसी प्रकार कि गलत शिक्षा और गलत शिखाने वालों को ग्रहण नहीं कर सकते है या उनका समर्थन करना हमारे लिए अशम्भव है। इसलिए हम लुथरन कहलाते है। इसलिए नहीं कि हम मार्टिन लूथर का समर्थन करते है परन्तु इस लिए कि मार्टिन लूथरने हमें परमेश्वरका वचन का आदर, सम्नाम और पालन करना शिखाया। हम परमेश्वर का वचन का आदर करते है और एक अच्छा शिक्षक के रूप से डॉ. मार्टिन लूथर का सन्मान वचने के अनुसार करते हैं।

क्या लुथरन कलिसीयाएँ भी अनेक है?

काथलिक और प्रटेस्टान्ट लोग एक दूसरे से अगल हो गयें। लूथरान कलिसीयाएँ दूसरा प्रटेस्टान्ट कलिसीयाओं से अलग हो गये है और लुथरन कलिसीयों भी आपस में विभाजित हो गये है। लुथरन का नाम धारण करने के द्वारा शैतान का आक्रमण से बचा जा नहीं सकता परन्तु सत्य वचन के द्वारा ही वचा जा सकता। गलत शिक्षाएँ ही कलिसीयाओं को गलत रास्ता में और बिनाश कि और खिचे ले जाता है। मार्टिन लुथर का देहान्त के बाद ही कुछ लुथरान कलिसीयाओं ने मार्टिन लुथर के द्वारा प्रचार किया गया सुसमा चार का सत्य का परिवर्त्तन कर दिया और उलटपालट कर दिया। पीछले 100 साल से लेकर अभि तक एक नया तरीका काम करते आया है। जैसे तर्क या मनुष्य का विवेक कलिसीयाओं को भाग भाग कर दिया है अभी कुछ लोग चाहते है कि उसको फिर से सब को एकता में लाएँ। इस काम वचन के आधार पर नहीं परन्तु विवेक और ज्ञान के आधार पर करते है। इस प्रयास करनेवाले नेताओं ने बाइबल को परमेश्वर का वचन ही नहीं माना। विवेक उन से कहता है कि हर कलिसीया में कुछ सच्चाईयाँ है और कुछ गलतियों भी। इस लिए इस प्रयास का यह अर्थ है कि वे सब एक साथ आए और बिना तर्क और प्रश्नों मिलकर आराधना और प्रार्थना करें। शिक्षाओं में कोई समझोता नहीं होना चाहिए। 1830 मसिहा में एक पेरसिया के शासक ने लुथरन और प्रटेस्टान्ट कलिसीयाओं को मिलना कोशिश उसने उनका शासन काल में यह काम करना कोशिश किया। उस का इस काम ने कुछ लुथरन को अमेरिका देशान्तर गमन के लिए मजबुर किया था कि वे वचन के अनुसार सुसमाचार प्रचार का अधिकार पा सके अर्थात् बिना किसी रुकावट आजादी में प्रभु का संदेश सुनाये।

बहुत सारे लुथरन कलिसीयाएँ मध्य जागरण के द्वारा प्रभागित हुए। और कुछ कलिसीयाएँ गलत शिक्षावाली कलिसीयाओं से समिल हो गये। उनके साथ संगति किया और मिलकर काम किया। इस के कारण उनका मध्य गलत शिक्षा

बहुत आयत से बड़ गया। अमेरिका में एक दल के लूथरन कलिसीया के लोग 100 सालों से एक वचन का मुख-अंगिकार किया। यह है उनका विश्वास वचन जो मुख-से अंगिकार किया जाता था, वे धर्म के उपदेश के किसी प्रकार का समझता का अनुमति नही देंगे। वे कलिसीया से यह आग्रह किया कि उनक प्रचार करने का एक ही सत्य सुसमाचार होना है वह है यीशु मसीह का सुसमाचार वे जानते थे कि गलत शिक्षा किसि को भी और कभी भी नाश कर सकता है। अगर कलिसिया में कोई समस्या आता है तो हम लोग हमारे स्वाभी प्रभु यीशु से यह शिक्षा पाया है कि उस समस्या का समाधान वचन के अनुसार करें। यीशु मसीह ही हमारे धर्म का गुरु है। हमने जैसे कहों कि यह कलिसीया के लोग ने किसी सिद्धांतों के साथ समझता के लिए अनुमदि नहीं देते है। परन्तु 1935 मसीहा से लेकर इस दल का बड़े कलिसीयाओं में से एक जिसका नाम दि मिस्सोरी सीनड उन कलिसीयाओं के साथ संगदि रखते है और काम करते हैं जो शिद्धान्तों और शिक्षाओं में सिथिल और असावधान रहते है। इस कलिसीया अपना ही विचार धारा के साथ साथ प्रटेस्टान्ट कलिसीया का भी विचार-धारा को भी ग्रहण करता है। इस स्थिति उन कलिसीयाओं के विच ऐसे एक गलत वातावरण का उप्तत्र किया है; जो शिद्धान्तों के बारे में अती सतर्क रहते थे। यह गलन के लिए दया शिल या क्षमाशिल गुण का जागरण रूप में शैतान का चाल और जाल रूपी गलत शिक्षा अनेक लोगों का प्रमाणित करते आया है। दयालु स्वभाव और समझता नाम में गलत शिक्षा अनेक कलिसीयाओं को आक्रमण किया है।

हमारे कलिसीयाँ

इस समय जब कलिसियाओं में गलत शिक्षाओं और गलत सिद्धान्तों पूरा पूरा फस चूका था, हमारे **"चर्च आफ लुथरान कनफेशन"** नाम का कलिसीया का जन्म हुआ। हम ने देखा कि हमारे बहुमूल्य सुसमाचार "समझेता" नामक आत्मा के द्वारा ग्रस्थ है तो हम ने गन लिया कि हम निश्चित रूप से एक नया कलिसीया के द्वारा इस सत्य वचन को फिर से लाना है। हम अपने प्रभु यीशु मसीह का

संपूर्ण आदर और सन्मान करने का निर्णय किया और उसका क्षमाशील सुसमाचार का घोषण बिना मिलावट से करने का दृढ़ निश्चय किया। बिना अदवदल कर, बिना संदेह परमेश्वर का वचन रूपी सुसमाचार को सत्यता में और सच्चाई में प्रचार करने के लिए आपने आपको उसका हात में अर्पण किया। हम जानते कि अपन मनुष्य है, इस लिए हम से गलती हो सकता है। परन्तु हम ने यह दृढ़ता से विचार में लाया और निर्णय किया कि हमारे कलिसीयाओं में और हमारे विध्यालयों में गलती का सहन नहीं किया जा सकता। और गलती का जितना शिघ्र हो सके वचन के अनुसार सुधार करने का निर्णय किया। परमेश्वर का सामर्थ से हम परिश्रम करते है कि अपनी प्रभु यीशु मसीह का सत्य सुसमाचार का रक्षा कर सकें। परमेश्वर का सुसमाचार में मनुष्यों की शिक्षाओं का स्थान ही नहीं है परन्तु परमेश्वर का सुसमाचार में अनुग्रह के साथ हर मनुष्य के लिए उपयोगी और आवश्यक बहुमूल्य शिक्षाओं संपूर्ण रूप में है।

"हे सब थके और बोझ से दबे लोगो, मेरे पास आओ : मैं तुम्हें विश्राम दूँगा।"

– मत्ती 11 : 28

इस पत्रीका में कुछ बाईबल वचन दिया गया है; कृपया अपने बाइबल से ध्यान से पढ़े। आप को सही लुथरान का शिक्षामालुम होगा।

हर एक लुथरन शिक्षा निश्चित रूप से एक बाइबल की शिक्षा ही होगा और हर एक बाइबल शिक्षा लुथरन का शिक्षा होगा।

1. मत्ती 9 : 9
2. मत्ती 23 : 8
3. यूहन्ना 6 : 68
4. प्रेरितों का काम 5 : 14
5. मरकुस 16 : 16
6. यूहन्ना 3 : 16
7. मत्ती 16 : 16
8. लूका 19 : 10
9. यूहन्ना 3 : 14-15
10. मत्ती 1 : 21

11. मत्ती 24 – 25
12. यूहन्ना 14 : 16-17,
13. यूहन्ना 14 : 16-17, 26,
    1 कुरिन्थियों 12 : 13
14. रोमियों 10 : 17
15. रोमियों 6 : 4
16. इब्रानियों 4 : 12
17. यूहन्ना 20 : 21-23
18. मत्ती 12 : 49-50
19. इफिसियों 2 : 19-20
20. 2 पतरस 3 : 18
21. 1 पतरस 2 : 21
    यूहन्ना 13 : 15-17
22. 2 तिमुथियुस 4 : 8
    फिलिप्पियों 3 : 11-14
24. प्रेरितों के काम 20:28-29
25. एक ही मध्यस्थी
    1 तीमुथियुस 2 : 5
26. इब्रानियों 9 : 27
27. रोमियों 8 : 1
28. रोमियों 3 : 10-18
29. इफिसियों 2 : 8-9
30. यूहन्ना 8 : 31-32
31. रोमियों 16 : 17-18
32. 1 कुरिन्थियों 11 : 24-25
33. 1 कुरिन्थियों 1 : 10
34. मत्ती 18 : 6
35. 2 तिमुथियुस 3 : 16
    2 पतरस 1 : 21
36. 1 कुरिन्थियों 1 : 10
37. गलातियों 5 : 9
38. भजन संहिता 119 : 105
39. प्रकाशितवाक्य 22 : 18-19
40. मत्ती 11 : 28